ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 15-09-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-15 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-09-16	2026-09-17	2026-09-18	2026-09-19	2026-09-20
वर्षा (मिमी)	6.0	8.0	12.0	8.0	6.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	34.0	34.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	24.0	23.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	85	80	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	55	53	51	52
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	3	2	3	7
पवन दिशा (डिग्री)	140	110	130	300	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	3	3	1	1
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले हफ़्ते (07 से 14 सितंबर) 37.6 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.0 से 33.6°C और 23.5 से 26.4°C के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 86-96% और 64-86% के बीच रही। हवा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पूर्व-उत्तर-पूर्व और दक्षिण-दक्षिण-पूर्व दिशाओं से 1.3-7.8 किमी प्रति घंटा की गति से चली। पिछले हफ़्ते ज़्यादातर दिन मौसम गर्म और उमस भरा रहा। आने वाले हफ़्ते में 6-12 मिमी हल्की बूंदाबांदी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0-34.0°C और 23.0-24.0°C के बीच रहने का अनुमान है। हवा के दक्षिण-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-उत्तर दिशाओं से 2-7 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। आने वाले हफ़्ते के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और मौसम के गर्म और उमस भरा रहने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी जारी नहीं की गई

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई खास असर नहीं

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और खेती से जुड़ी सलाह पाने के लिए "मौसम" और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में

मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान में 11.09.2026 से 17.09.2026 के दौरान सामान्य बारिश और अधिकतम व न्यूनतम तापमान का ट्रेंड दिखाया गया है। एनडीवीआई वैल्यू ज़िले में खेती की अच्छी से बहुत अच्छी स्थिति दिखाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए फसलों में सिंचाई की जानी चाहिए और आने वाले सप्ताह के लिए केमिकल स्प्रे भी किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	बैक्टीरियल ब्लाइट के लक्षण दिखने पर, प्रति हेक्टेयर 1000 लीटर पानी में 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन और 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड मिलाकर छिड़काव करें। यह छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पर किया जाना चाहिए। जब तना छेदक का प्रकोप आर्थिक नुकसान के स्तर से ऊपर हो, तो प्रति हेक्टेयर 150 मिली क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 20 एससी या 500-600 लीटर पानी में क्लोरपायरीफोस 20 इसी का छिड़काव करना चाहिए। आम कीट जैसे ब्राउन प्लांट हॉपर के दिखने पर, किसानों को प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी में 1000 मिली फिप्रोनिल 5 एससी या 100 ग्राम थियामेथोक्सम 25 डब्लूएसजी मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास किया जाना चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	गन्ने की जड़ों के पास पर्याप्त मिट्टी चढ़ानी चाहिए और अच्छी बढ़त के समय फसल को 5 फीट की ऊंचाई पर बांधने जैसे खेती के काम करने चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करके मिट्टी में नमी बनाए रखनी चाहिए।
मक्का	जब भुट्टे भरने लगें, तो खेत में नमी बनाए रखनी चाहिए, इसलिए ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए। कीटों का हमला होने पर खेती से जुड़े सही उपाय करने चाहिए। मैदानी इलाकों में 'फॉल आर्मी वर्म' के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी (0.4 मिली/लीटर पानी) का इस्तेमाल करना चाहिए। झुलसा रोग (ब्लाइट) होने पर प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में 1.5-2.0 किलोग्राम मैंकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लूपी का छिड़काव करें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए। मक्के की जल्दी तैयार होने वाली किस्मों की तुड़ाई पकने पर करनी चाहिए और उन्हें अच्छी तरह से स्टोर करना चाहिए।
काला चना	सफेद मक्खी से फैलने वाले येलो मोज़ेक वायरस के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करें।
मूँग	सफेद मक्खी से फैलने वाले येलो मोज़ेक वायरस के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करें।
सोया बीन	फूल या फलियाँ बनते समय मिट्टी में नमी बनाए रखें और ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करें। सफ़ेद मक्खी से फैलने वाले 'येलो मोज़ेक वायरस' के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 'पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 ई. सी. मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। किसानों को 'येलो मोज़ेक वायरस' के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का इस्तेमाल करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	पौधे लगाने के चार से छह हफ़्ते बाद हल्की गुड़ाई करनी चाहिए और जड़ों पर मिट्टी चढ़ानी चाहिए। खरपतवार के रासायनिक नियंत्रण के लिए, पौधे लगाने से एक दिन पहले 1.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से फ्लुक्लोरालिन (सक्रिय तत्व) का इस्तेमाल करना चाहिए।
मूली	मूली की फसल में अगर मिट्टी सूखी हो, तो बुवाई के तुरंत बाद और 3-4 पत्तियां निकलने के समय सिंचाई करके नमी बनाए रखनी चाहिए।
चुकंदर	बुवाई के बाद जब खेत में पर्याप्त नमी हो, तभी कोई भी रासायनिक छिड़काव करना चाहिए; पहली सिंचाई पौधों की छंटाई के बाद करनी चाहिए।
गाजर	बीज अंकुरित होने के बाद नियमित रूप से खरपतवार निकालते रहना चाहिए और पौधों के बीच 6-10 सेमी की दूरी बनाए रखनी चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पालक	पूरी फसल अवधि के दौरान 3-4 बार सिंचाई करना ज़रूरी है और इस समय मिट्टी में नमी बनाए रखनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	15 दिनों के बाद बछड़ों को कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक, आयरन, आयोडीन और कॉपर जैसे तत्व नमक के मिश्रण या मिनरल ड्रॉप्स के रूप में खिलाने चाहिए।
भेंस	'फूट-रॉट' बीमारी से बचाव के लिए, जानवरों के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण इलाकों में बकरियों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।
भेड़	ग्रामीण इलाकों में भेड़ों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई खास असर नहीं

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई सलाह नहीं

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details